राम	।। राम नाम लो, भाग जगाओ ।। ।। राम नाम लो, भाग जगाओ ।।	राम	
राम	७६ ।। पदराग बिलावल ।।	राम	
राम	भगत करावो दास सूं	राम	
राम	Oh Lord, get your worship done by this servant	राम	
राम	भगत करावो दास सूं ।। तो बिरह दो चेरी ।।	राम	
राम	तलप बीना प्रभू ना सजे ।। भगती जुं तेरी ।।टेर।। Oh Lord, I am your servant. Make me devoted to you. Let me express my love and	राम	
राम	adoration for you. Let me show the courage to be devoted to you. Without yearning for your devotion, no one can understand it. Therefore, please instill in me the	राम	
राम	yearning for your devotion. बिरह बीना तेरी भगत सूं ।। प्राणी दु:ख पावे ।।	राम	
राम	ज्युं निरबळ डांडी चले ।। मुख ना जन भावे ।।१।।	राम	
राम	My heart yearns to be devoted to you, but I am unable to express it, and my soul is tormented by this. Like a frail boat tossed about by the waves, I am unable to find	राम	
राम	my way to you. (Could not find the appropriate meaning of the verse II मुख ना जन	राम	
राम	भावे ।।)	राम	
राम	में मांगूँ बेराग कूं ।। किरपा करो सांई ।।	राम	
राम	बिन तरळे ईण जीव सूं ।। सिंवरण हुवे नांई ।।२।। Oh Lord, I beg you to grant me the detachment, the renunciation from all	राम	
राम	attachments to my family, wealth, and kingdom. Oh Lord, please instil in me the renunciation to abandon the attachments and affections of my family. Unless		
राम	experiencing separation in me my soul cannot remember you oh Lord. सूरातन अंग भेजीये ।। मतवाळो किजे ।।	राम	
राम	के सुखदेव अंग बाहीरी ।। भगती नहीं दीजे ।।३।।	राम	
राम	Imbue my heart with such valor that my mind intoxicated in your devotion, says the	राम	
राम	Adi Satguru Sukhramji Maharaj(Could not find the appropriate meaning of the verse अंग बाहीरी ।। भगती नहीं दीजे)	राम	
राम		राम	
	अर्थकर्ते : सतस्वरूपी संत राधाकिसनजी झंवर एवम् रामरनेही परिवार, रामद्वारा (जगतपाल) जलगाँव – महाराष्ट्र		